

24.3.25

पशावली पेरा हुई वादी अधिवक्ता अनुपस्थित
प्रकरण लम्बे समय से नायिल हेतु नित हेतु वादी

अधिवक्ता दिनांक 4.12.24 एवं 29.1.25 को भी उपस्थित
नहीं हुआ न्यायालय द्वारा कक-कककर कई बार भ्रमों
लगाते कई वावजूद इलेक्ट्रिक कोर्ट न्यायालय समय समाप्त
तक कोई उपस्थित नहीं हुआ जिससे जाहिर है कि वादी
अपने वाद के प्रति ज़िम्मेदार नहीं होकर वाद चलाना नहीं करते
हैं।

अतः वादी का वाद आदेश 9 नियम 8 के तहत अद्वय
हान्य-अद्वय परबी में खारिज किया जाता है। जिससे
उजलास सुनाया गया प्रकरण फैललशुमार होकर नम्बर
से कम है।

(सोनिता कुमारी)

IAS